अनुक्रमांक / Roll No.

परीक्षार्थी अपना अनुक्रमांक यहाँ लिखें।
Candidate should write his/her Roll No. here

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 05
No. of Printed Page : 05

M-2022 PAPER - V
General Hindi
सामान्य हिन्दी
30.08.2022

कुल प्रश्नों की संख्या : 3+3
Total No. of Questions : 3+3

पूर्णांक : 300
Total Marks : 300

प्रश्न : 1 इस प्रश्न में 25 अति लघुउत्तरीय प्रश्न है, प्रत्येक प्रश्न के उत्तर हेतु आदर्श शब्द सीमा 20–25 शब्द होगी। सभी प्रश्न अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न 03 अंको का है। (25x3 = 75)

1.1 तद्भव शब्दों को परभाषित करें?

1.2 पारिभाषिक शब्दों को स्पष्ट करें?

1.3 आधुनिक मीराबाई किसे कहा जाता है? उनकी 3 रचनाओं के नाम लिखें?

1.4 संकर शब्दों को परिभाषित करें?

1.5 1992 में अनुसूची 8 में कौन–सी भाषाएँ जोड़ी गई?

1.6 प्रथम राजभाषा आयोग?

1.7 8वाँ विश्व हिन्दी सम्मेलन कब व कहाँ हुआ?

1.8 रूढ़ शब्द किसे कहते है?

1.9 विभक्ति व परसर्ग में अंतर स्पष्ट करें?

1.10 खड़ी का सबसे प्राचीन नाम?

1.11 कर्मधारय समास को सोदाहरण लिखें?

1.12 संधि को उदाहरण सहित बताइए?

1.13 पल्लवन के गुण?

1.14 संक्षेपण करते समय कौन सी बातें याद रखी जाती है?

1.15 अनुवाद किसे कहते है?

1.16 लोकोक्ति किसे कहते है?

1.17 भाववाचक संज्ञा को उदाहरण सहित बताइए?

1.18 संश्लिष्ट कारक किसे कहते है तथा इनका प्रयोग कहाँ किया जाता है?

1.19 आचार्य किशोरीदास के अनुसार, कारक कितने होते है, नाम लिखे?

1.20 कर्मधारय समास लिखे?

1.21 अयादि संधि को उदाहरण सहित लिखें?

1.22 उपसर्ग किसे कहते है? उदाहरण दें?

1.23 स्त्रीवाचक प्रत्यय किसे कहते है, उदाहरण दें?

1.24 मूर्धन्य ध्वनि कौन–कौन सी है?

1.25 अनुतान किसे कहते है?

प्रश्न: 2 प्रश्न अलंकारों से संबंधित है।

2.1 अर्थाअलंकार से संबंधित प्रश्न – (5×1 =5)

2.1 (i) ''मुखबाल रवि सम लाल होकर,
ज्वाला सा प्रतीत हुआ।'' में मुख क्या है?

2.1 (ii) ''मे तेरा शिशु जगह है उदस'' में अलंकार का नाम लिखों?

2.1 (iii) लुप्तोपमा को लिखें?

2.1 (iv) ''फूले कास सकल मही छाये,
जनु बरषा ऋतु प्रगट बढ़ाए।'' में अलंकार बताइए?

2.1 (v) फलोत्प्रेक्षा में फल का अर्थ?

2.2 (ब) शब्दालंकार से संबंधित प्रश्न – (5×1 =5)

2.2 (i) ''तेरी बरछी ने बर छीने खलन के'' में अलंकार है?

2.2 (ii) ''चर अचर जग जीव जथ, सकल राममयी जान'' में अलंकार लिखे?

2.2 (iii) ''मेरी भव बाधा हरो, राधा नगर सोई, जा–तन की झाँई परत, श्याम द्रुतहरित हो जाई।'' में किस शब्द में श्लेष है, उने अर्थ लिखे?

2.2 (iv) कानन कठिन भयंकर भारी में अनुप्रास के भेद का नाम लिखे?

2.2 (v) यमक अलंकार में दो समान शब्दों के अर्थ में क्या होती है?

प्रश्न : 3 वाक्यों का हिन्दी से अंग्रेजी एवं अंग्रेजी से हिन्दी अनुवाद कीजिए।

3.1 (अ) निम्न वाक्यों का अंग्रेजी से हिन्दी में अनुवाद कीजिए। प्रत्येक 3 अंकों का है। (5x3=15)

3.1 (i) I dip my finger into the water?

3.1 (ii) The poor are hard working?

3.1 (iii) If you were collector, what whould you do?

3.1 (iv) Political corruption create many problems?

3.1 (v) If you want to be public servent you will have to hard work?

3.2 (अ) निम्न वाक्यों का हिन्दी से अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए। प्रत्येक 4 अंकों का है। (5x4=20)

3.2 (i) भ्रष्टाचार देश के लिए रोग है?

3.2 (ii) नशा एक बुरी लत है?

3.2 (iiii) मानवता सबसे बड़ा धर्म है?

3.2 (iv) वह चाहता है कि वो पढ़ाई करें?

3.2 (v) म.प्र. में महिलाओं की शिक्षा रोजगार की दृष्टि से अच्छी नहीं है।

प्रश्न : 4 इस प्रश्न में हिन्दी व्याकरण से संबंधित प्रश्न है। सभी प्रश्न अनिवार्य है। सभी प्रश्न अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न 02 अंक का है। (10x02=20)

4.1 व्यष्टि का विलोम?

4.2 वरद और बरद का अर्थ?

4.3 मार्ग से भटका हुआ के लिए एक शब्द?

4.4 राजा के दो पर्यायवाची?

4.5 कुक्षि का तद्भव?

4.6 कैंची का तत्सम?

4.7 Apology का हिन्दी पारिभाषिक शब्द?

4.8 स्थगित करना का अंग्रेजी पारिभाषिक शब्द?

4.9 ''रवि ने माँ को साड़ी खरीदी'' में को किस कारक की विभक्ति है?

4.10 ईमानदार और ईमानदारी में व्याकरण का रूप है?

प्रश्न : 5 निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 02 अंक का है। (10x02=20)

1. वनौज में संधि–विच्छेद?
2. ''लोक+एषणा'' की संधि बनाए?
3. उद्योग की संधि–विच्छेद करें?
4. अंतोगतवः का संधि–विच्छेद?
5. शिवार्पण में समास?
6. सूर्यप्रताप में समास?
7. तत्पुरूष के भेदों के नाम लिखें?
8. क्या दृश्य है! में प्रयुक्त चिह्न ?
9. विलोम शब्दों में किस चिह्न का प्रयोग किया जाता है?
10. छाती पर साँप लोटना का अर्थ?

प्रश्न : 6 गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 04 अंक का है। (5x4=20)

'जनता के साहित्य' का अर्थ जनता को तुरन्त ही समझ में आने वाले साहित्य से हरगिज नहीं हैं अगर ऐसा होता तो 'किस्सा तोता मैंना' और नोटंकी की साहित्य के प्रधान रूप होते। साहित्य के अन्दर सांस्कृतिक भाव होते हैं। सांस्कृतिक भावों को पाने के लिए बुलंदी बारीकी और खूबसूरती को पाने के लिए उस इसलियत को पाने के लिए इसका नक्शा साहित्य में रहता हैं, सुनने या पढ़ने वाले की कुछ स्थिति अपेक्षित होती हैं। वह स्थिति हैं उसकी शिक्षा, उसके मन के सांस्कृतिक परिष्कार की, जबकि साहित्य का उद्देश्य सांस्कृतिक परिष्कार हैं, मानसिक परिष्कार हैं।

1. साहित्य के अन्दर क्या हैं?
2. जनता के साहित्य का क्या अर्थ हैं?
3. साहित्य का उद्देश्य क्या हैं?
4. सांस्कृतिक भावों को ग्रहण करने के लिए क्या जरूरी हैं?
5. उपरोक्त गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए।

प्रश्न : 7 निम्नलिखित अनुच्छेद का संक्षेपण लगभग एक–तिहाई शब्दों में लिखिए। इसका शीर्षक लिखने की आवश्यकता नहीं है। संक्षेपण अपने शब्दों में ही लिखिए। (1x10=10)

राजा राममोहन राय के क्रियाकलापों के विरोधी भारतीय व्यापारियों ने ब्रह्म समाज के प्रभाव को खत्म करने के लिए 1830 ई. में एक धर्म समाज नामक संस्था की स्थापना की। इसी समय में हेनरी डेरोजियो ने आधुनिक ढंग के एक शैक्षिक संगठन, हिन्द कॉलेज में अकादमिक एसोसिएशन की स्थापना की। यह संघ परंपरागत रूढ़ियों और अंधविश्वासों के विरोध में अन्य ऐसे संगठनों से अधिक दृढ़ था। इस संघ से ही युवा बंगाल की स्थापना हुई। हिन्दू कॉलेज के कर्मचारियों द्वारा तंग करने के कारण जब यह संगठन विघटित हो गया, तो इसके भूतपूर्व सदस्य ब्रह्म समाज में सम्मिलित हो गए। राममोहन राय की मृत्यु के बाद से इस समाज का नेतृत्व एक प्रमुख बंगाली व्यापारी द्वारकानाथ ठाकुर के हाथ में था। उन्नीसवीं शताब्दी के चौथे और पाँचवें दशकों के दौरान बंगाल में ज्ञान प्रसार और ऐसे ही अन्य लक्ष्यों के संवर्धक सामाजिक संगठन एक के बाद एक प्रकट हुए। अंत में 1851 ई. में कलकत्ता में ब्रिटिश इंडियन एसोसिएशन नामक एक परिपक्व राष्ट्रवादी राजनीतिक संगठन कायम किया गया।

इस तरह की घटनाएं बंबई में भी देखी जा सकती थी। देश के इस भाग में ऐसे आन्दोलनों के प्रमुख नेता धनी और सुसम्मानित पारसी थे, जो औपनिवेशिक शासन के साथ सहयोग कर रहे थे, और युवा उदीयमान महाराष्ट्रीय बुद्धिजीवी थे, जो यूरोपीय पद्धति पर संचालित स्थानीय शैक्षणिक संस्था, एलफिन्स्टन कॉलेज से जुड़े हुए थे। इन बुद्धिजीवियों में प्रमुख थे बालशास्त्री जाम्बेकर, जिन्होंने अंग्रेज़ी–मराठी साप्ताहिक 'बंबई दर्पण' की स्थापना की, जो अपने देश के प्रशासन में भारतीयों को हिस्सा लेने देने के लिए वकालत करता था तथा औपनिवेशिक कर एवं शुल्क नीतियों की आलोचना करता था। रामकृष्ण विश्वनाथ, जिन्होंने मराठी में भारत के इतिहास पर एक पुस्तक प्रकाशित की, जिसमें उन्होंने भारत में ब्रिटिश नीतियों की आलोचना की, हालांकि उनका विचार था कि सब कुछ ठीक किया जा सकता है, बशर्ते कि प्रबुद्ध अंग्रेजों और भारतीयों के बीच घनिष्ठ संपर्क हो; गोपाल हरि देशमुख, जो पूना के 'प्रभाकर' में लोकहितवादी के उपनाम से लिखते थे। उन्होंने भारत की स्वतंत्रता के अपहरण के कारणों का विश्लेषण किया, जो उनकी राय में पुरानी सामंती प्रथाओं का पालन और अभिजात वर्ग तथा भारतीय जनता को एक–दूसरे से पृथक् करने वाली खाई थे।

1852 में स्थापित बंबई एसोसिएशन में तब फूट पड़ गई, जब युवा छात्रों ने सभी भारतीयों के लिए अंग्रेजों के समान अधिकारों की मांग की, और नरमपथी उच्च वर्गीय व्यापारी इससे अलग हो गए। अकेले मद्गास एसोसिएशन ने ही भारतीय जमींदारों द्वारा किसानों के शोषण को बंद करने के प्रश्न को उठाया। उस समय ईस्ट इंडिया कंपनी के चार्टर का फिर पुनरीक्षण हो रहा था, इसलिए तीनों एसोसिएशनों ने भारत में औपनिवेशिक शासन के श्अन्यायों के बारे में लंदन में संसद को याचिकाएं भेजीं।

प्रश्न : 8 दी गई पंक्तियों का पल्लवन कीजिए। **(10 अंक)**

1. बिना विचारे जो करें, सो पाछे पछताए।
2. सुवारत लाग करहिं सब प्रीति।

KAUTILYA ACADEMY
INDORE